हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 22 फ़रवरी 2026, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भविष्य में विश्व स्तर पर एआई की शक्ति के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ है। आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन के लिए नई दिल्ली के भारत मंडपम में कई देशों के नेता, उद्योगपति, नवप्रवर्तक और स्टार्टअप क्षेत्र से जुड़े लोग एक साथ दिखे।

श्री मोदी ने कहा कि इंडिया एआई प्रदर्शनी में विश्व नेताओं को बहुत प्रभावित किया।

श्री मोदी ने कहा विश्व भर के नेता यह देखकर आश्चर्यचकित हुए कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा की सहायता से प्राचीन ग्रंथों, ज्ञान और पांडुलिपियों का संरक्षण कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन में विश्व को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताओं को देखने का अवसर मिला।

वर्तमान टी-20 क्रिकेट विश्व कप के बारे में श्री मोदी ने कहा कि इस चैंपियनशिप में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा की टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ियों की संख्या सर्वाधिक है।

प्रधानमंत्री ने केरल की एक दस महीने की बच्ची, आलिन शेरिन अब्राहम के निधन पर उसके पिता अरुण अब्राहम और माता शेरिन के आलिन के अंगदान करने के फैसले की प्रशंसा की। उन्होंने पश्चिम बंगाल के गौरांग बनर्जी का भी उदाहरण दिया, जो फेफड़े के प्रत्यारोपण के बाद दो बार नाथू ला जा चुके हैं। श्री मोदी ने किडनी प्रत्यारोपण के बाद खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के सीकर के रामदेव सिंह का जिक्र किया।

श्री मोदी ने कहा कि एक नेक काम अनगिनत लोगों का जीवन बदल सकता है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में कल राजगोपालाचारी उत्सव मनाए जाने का जिक्र भी किया। सी. राजगोपालाचारी स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। श्री मोदी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि स्वतंत्रता के बाद भी ब्रिटिश प्रशासकों की प्रतिमाएं राष्ट्रपति भवन में रहने दी गईं और भारत के महानतम सपूतों को स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति भवन में ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा के स्थान पर सी. राजगोपालाचारी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। उन्होंने देशवसियों से राजगोपालाचारी उत्सव के दौरान 24 फरवरी से पहली मार्च तक सी. राजगोपालाचारी पर एक प्रदर्शनी का अवलोकन करने का भी आग्रह किया।

परीक्षा के प्रति सजग विद्यार्थियों को लेकर प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी पूरी लगन से अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होंगे और तनाव में नहीं होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि उनका मूल्य उनकी मार्कशीट से निर्धारित नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी अपनी परीक्षाओं में सफल होंगे और अपने जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में कहा कि 'मन की बात' में डिजिटल अरेस्ट और डिजिटल धोखाधड़ी पर उनके भाषण के बाद समाज में इस दिशा में काफी जागरूकता आई है। उन्होंने श्रोताओं को फर्जी कॉल, एसएमएस और लिंक के प्रति आगाह किया और सतर्क रहने व ऐसे धोखेबाजों के झांसे में न आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केवाईसी या री-केवाईसी केवल बैंक शाखा, आधिकारिक ऐप और अधिकृत माध्यम से ही कराई जानी चाहिए। श्री मोदी ने लोगों से ओटीपी, आधार नंबर या बैंक खाते की जानकारी किसी के साथ साझा न करने का आग्रह भी किया। उन्होंने लोगों से समय-समय पर अपना पासवर्ड बदलते रहने का भी आग्रह किया।

श्री मोदी ने सभी को रमज़ान के पवित्र महीने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगामी होली के त्यौहार की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लोग अपने परिवार और प्रियजनों के साथ सभी त्यौहारों को प्रसन्नता से मनाएंगे। श्री मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी देश को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में सहायक है।

श्री मोदी ने केरल के तिरुनावया में भरतप्पुझा नदी के किनारे मनाए जाने वाले सदियों पुराने मामंगम परंपरा के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में किसान अब न केवल उत्पादन पर बल्कि गुणवत्ता, मूल्यवर्धन और नए बाजारों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 करोड़ टन से अधिक चावल का उत्पादन कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ वैश्विक खाद्य भंडार में भी योगदान दे रहा है।

****